Grants-in-AID to Film Societies

1985. SHRI G. PRATHAPA KEDDY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) what is the amount of grants-in-aid that has been given to the various film societies during the last three years with their names:

(b) what is the criteria on which the societies were selected for grants-in-aid;

(c) whether any review and evaluation of the utilisation of the amount of grants has been made; and

(d) if so, what are the results thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) and (b) Government of India has released grants-in-aid to the Federation of Film Societies of India for the development of film societies movement in India, during the last three years as under:—

1990-91	. .	Rs. 2.70 lakhs
1991-92	. .	Rs. 3.00 lakhs
1992-93	. .	Rs. 3.00 lakhs

(c) No Sir.

(d) Does not arise.

दिल्ली दूरदर्शन का एक चैनल मुफ्त में आरंभ करने के लिये स्टार टी० वी० का प्रस्ताव

1986. **श्रीमती कमला सिन्हा**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्टार टी.वी. ने अपने उपग्रह के माध्यम से दिल्ली दूरदर्शन के लिये एक चैनल मुफ्त में आरंभ करने हेतु एक प्रस्ताव भेजा है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के.पी. सिंह देव) : (क) स्टार टेलीविजन ने अपने उपग्रह के माध्यम से दिल्ली दूरदर्शन पर एक चैनल शुरू करने का कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

दूरदर्शन को राजस्व की हानि

1987. **श्री अजीत जोगी**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को दूरदर्शन की वाणिज्यिक और कार्यक्रम संबंधी नीति में संशोधन न कर पाने के कारण राजस्व की हानि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या दूरदर्शन की वाणिज्यिक और कार्यक्रम संबंधी नीति में संशोधन करने की कोई योजना है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के.पी. सिंह देव) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) वाणिज्यिक संहिता और दरों की समीक्षा एक सतत् प्रक्रिया है और यह समय समय पर की जाती है।

1988. [*Transferred to 18th August, 1993.*]

पहाड़ी क्षेत्रों में कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर (एल० पी० टी) स्थापित करना

1989. **श्री महेश्वर सिंह**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें इस बात की जानकारी है कि पहाड़ी प्रान्तों की भौगोलिक

स्थिति कठिन होने के कारण वहां के कई स्थानों से एल.पी.टी. लगाने की निरंतर मांग जनता के प्रतिनिधि और जनता करती रही है ;

(ख) यदि हां, तो कुल कितने स्थानों से एल.पी.टी. स्थापित करने की मांग प्राप्त हुई है ;

(ग) वर्ष 1993-94 में कितने तथा किन-किन स्थानों पर एल.पी.टी. स्थापित करने का निर्णय लिया गया है और कितने स्थान अभी शेष हैं ; और

(घ) इनमें से कितने स्थानों को एल.पी.टी. की आपूर्ति की जा चुकी है और किन-किन स्थानों पर कार्य प्रगति पर है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के.पी. सिंह देव) : (क) जी, हां।

(ख) पहाड़ी राज्यों और पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित कुल 85 स्थानों की पहचान कर ली गई है जिनके लिए पिछले 2 वर्षों में अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर की स्थापना के लिए जनता के प्रतिनिधियों, राज्य सरकार आदि से दूरदर्शन महानिदेशालय को अनुरोध प्राप्त हुए थे।

(ग) यद्यपि दूरदर्शन की वार्षिक योजना के अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्रों सहित देश में विभिन्न स्थानों पर टेलीविजन ट्रांसमीटरों की स्थापना के लिए स्थलों को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। तथापि, उपरोक्त "ख" में उल्लिखित 85 स्थानों में से कुल 29 स्थान ऐसे हैं जहां अल्प शक्ति या अति अल्प शक्ति टेलीविजन ट्रांसमीटर या तो विद्यमान है अथवा कार्यान्वयनाधीन है।

(घ) 19 स्थानों में से जहां वर्तमान में अल्प शक्ति अथवा अति अल्प शक्ति टेलीविजन ट्रांसमीटर कार्यान्वयनाधीन हैं, 10 स्थानों के लिए ट्रांसमीटर उपस्कर प्राप्त हो गए हैं। शेष 9 स्थानों के लिए उपस्कर के आदेश दे दिए हैं। जिन स्थानों के लिए अल्प शक्ति ट्रांसमीटर/अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर के उपस्कर प्राप्त हो गए हैं उनके नाम तथा जहां कार्य प्रगति पर है उनके नाम नीचे दिए गए हैं :

1. विलियम नगर (मेघालय)
2. फेंक नागालैण्ड
3. रियासी (जम्मू एवं कश्मीर)
4. सुन्दरनगर (हिमाचल प्रदेश) (आंशिक उपस्कर)
5. राम दुर्ग (कर्नाटक)
6. चम्पावत (उत्तर प्रदेश)
7. डिडिहाट (उत्तर प्रदेश)
8. चौखुटिया (उत्तर प्रदेश)
9. जोशीमठ (उत्तर प्रदेश)
10. कंकोली (महाराष्ट्र) (अंश उपस्कर)

Books Sold at Book Exhibition Organised at Tirupati

1990. SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) what is the total amount of Books sold at the Book Exhibition by the publications Division at the Preliminary Session of AICC at Tirupati from 10th April to 16th April, 1992;

(b) what is the expenditure incurred on organising the exhibition;

(c) what are the details regarding individual authority taking such a decision; and

(d) whether such exhibition was organised on any one's request, if so, the details thereof?